

INSTC कॉरडोर और चाबहार बंदरगाह

चर्चा में क्यों?

भारत ने चाबहार बंदरगाह को 13 देशों के 'अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन कॉरडोर' (INSTC) में शामिल करने की मंशा व्यक्त की है और 'मैरीटाइम इंडिया समिति' के दौरान चाबहार दलिस समारोह में INSTC सदस्यता का वस्तितार करने के लयि अफगानस्तितान और उज़्बेकस्तितान से इसमें शामिल होने का आग्रह कयिा गया ।

- इस शखिर सम्मेलन में अफगानस्तितान, आर्मेनयिा, ईरान, कज़ाखस्तितान, रूस और उज़्बेकस्तितान के अवसंरचना क्षेत्र से संबंघति मंत्रयिों सहति कई क्षेत्रीय अधकिकारयिों ने भाग लयिा ।

परमुख बदिु:

भारत का परस्ताव:

- INSTC जो क ईरान के सबसे बड़े बंदरगाह बंदर अब्बास से होकर गुज़रता है, में चाबहार बंदरगाह को शामिल करने का परस्ताव भारत ने रखा है तथा कहा है क किकाबुल (अफगानस्तितान) और ताशकंद (उज़्बेकस्तितान) में भूमिभारग के माध्यम से INSTC के "पूर्वी गलियारे" का नरिमाण होगा ।
 - चाबहार को INSTC में शामिल करने के लयि भारत का यह परस्ताव, अमेरिका द्वारा [संयुक्त व्यापक काररवाई योजना](#) (Joint Comprehensive Plan Of Action-JCPOA) परमाणु समझौते पर ईरान के साथ वारता की स्थति बिहाल करने और कुछ परतबिंधों में संभावति ढील को धयान में रखकर भी दयिा गया है ।
- अफगानस्तितान के माध्यम से एक पूर्वी गलियारे की स्थापना इसकी क्षमता में वृद्धा करेगी ।
 - भारत ने अफगानस्तितान और ईरान को मानवीय सहायता, आपातकालीन आपूरत और व्यापार के अवसरों में वृद्धा करने के मामले में हाल के वर्षों में चाबहार की भूमिका पर परकाश डाला ।

चाबहार बंदरगाह:

- अवस्थति:
 - यह ओमान की खाड़ी पर स्थति है और पाकस्तितान के ग्वादर बंदरगाह से केवल 72 कर्मी. दूर है, जसि चीन द्वारा वकिसति कयिा गया है ।

BEING DIRECT: INDIA TO CHABAHAR



अन्य तथ्य:

- यह एकमात्र ईरानी बंदरगाह है जिसकी हद्द महासागर तक सीधी पहुँच है और इसमें दो अलग-अलग बंदरगाह हैं- जनिका नाम शाहदि बेहशिती और शाहदि कलंतरी है।
- अफगानिस्तान, ईरान और भारत ने चाबहार बंदरगाह को विकसित करने और वर्ष 2016 में एक त्रिपक्षीय परिवहन एवं पारगमन गलियारा स्थापित करने के लिये त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किये।

महत्त्व:

- **भारत के संदर्भ में:**
 - **संपर्क:**
 - यह भारत की अफगानिस्तान और मध्य एशियाई राज्यों से कनेक्टिविटी बढ़ाने की एक महत्त्वपूर्ण योजना है।
 - **चीन और पाकिस्तान को प्रत्युत्तर:**
 - यह अफगानिस्तान और मध्य एशिया के साथ व्यापार के लिये एक स्थायी वैकल्पिक मार्ग खोलता है, क्योंकि पाकिस्तान मुख्य मार्ग में बाधाएँ उत्पन्न करता है।
 - चीन और पाकिस्तान 'चीन पाक आर्थिक गलियारे' (CPEC) तथा ग्वादर बंदरगाह के माध्यम से आर्थिक एवं व्यापार सहयोग बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं, पाकिस्तान चीन के 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' (BRI) का भी हिस्सा है।
 - **इंडो-पैसिफिक रणनीति का एक भाग:** चाबहार बंदरगाह भारत की इंडो-पैसिफिक रणनीति का एक प्रमुख भाग है जिसमें हद्द महासागर क्षेत्र के साथ यूरोशिया भी शामिल है।
- **अफगानिस्तान के संदर्भ में:**
 - यह बुनियादी ढाँचे और शिक्षा परियोजनाओं के माध्यम से अफगानिस्तान के विकास में भारत की भूमिका को सुवर्धित बनाएगा।
- **मध्य एशियाई देशों के संदर्भ में:**
 - मध्य एशियाई देश जैसे- कज़ाखस्तान, उज़्बेकस्तान भी चाबहार बंदरगाह को हद्द महासागर क्षेत्र के प्रवेश द्वार के रूप में देखते हैं।

अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (INSTC):

- यह सदस्य देशों के बीच परिवहन सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ईरान, रूस और भारत द्वारा सेंट पीटर्सबर्ग में 12 सितंबर, 2000 को स्थापित एक बहु-मॉडल परिवहन परियोजना है।
 - INSTC में ग्यारह नए सदस्यों को शामिल करने के लिये इसका विस्तार किया गया - अज़रबैजान गणराज्य, आर्मेनिया गणराज्य, कज़ाखस्तान गणराज्य, करिगज़ि गणराज्य, ताजकिस्तान गणराज्य, तुर्की गणराज्य, यूक्रेन गणराज्य, बेलारूस गणराज्य, ओमान, सीरिया और बुल्गारिया (पर्यवेक्षक)।
- यह माल परिवहन के लिये जहाज़, रेल और सड़क मार्ग के 7,200 किलोमीटर लंबे मल्टी-मोड नेटवर्क को लागू करता है, जिसका उद्देश्य भारत और रूस के बीच परिवहन लागत को लगभग 30% कम करना तथा पारगमन समय को 40 दिनों के आधे से अधिक कम करना है।
- यह कॉरडोर इस्लामिक गणराज्य ईरान के माध्यम से हद्द महासागर और फारस की खाड़ी को कैस्पियन सागर से जोड़ता है तथा रूसी संघ के माध्यम से सेंट पीटर्सबर्ग एवं उत्तरी यूरोप से जुड़ा हुआ है।



स्रोत- द हट्टि

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/push-for-chabahar-port-in-instc-corridor>

